प्रेस विज्ञप्ति
एड्स के बारे में लोगों को जागरूक करेगा पुलिस विभाग

पुलिस विभाग का हर अधिकारी रोजाना ही सैकड़ों लोगों से मिलते हैं इसलिए सही जानकारी, राय या मार्गदर्शन देकर लोगों को इस संक्रमण से बचाने में महती भूमिका निभा सकते हैं। हमारे विभाग का हर जवान स्वयंसेवक बनकर समाज की सेवा कर सकता है। उक्त विचार पुलिस विभाग में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री विजय वाते ने म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यशाला में व्यक्त किए। संक्रमण के बारे में भ्रांतियां फैली हुई हैं तथा सही जानकारी का अभाव है। सही जानकारी के जरिए एड्स वायरस की रोकथाम की जा सकती है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री वी.के पवार ने इस दो दिवसीय प्रशिक्षण के आयोजन को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे एड्स संक्रमण के बारे में लोगों की आखें खुलेंगी तथा भ्रांतियाँ भी दूर होंगी। उन्होंने कहा कि एड्स संक्रमण के बारे में जानना बेहद जरूरी है तभी इसकी रोकथाम हो सकती है।

म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना संचालक श्री ओमेश मुंदड़ा ने एड्स संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए उच्च जोखिम समूहों के बीच समिति द्वारा संचालित 66 परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि म.प्र. एड्स संक्रमण के बारे में संवेदनशील राज्यों में आ गया है इसीलिए इसकी रोकथाम के समुचित उपाय किया जाना जरूरी है। यदि पुलिस बल अपने जवानों को प्रशिक्षित करते समय एड्स संक्रमण फैलने के कारण और उससे खुद को बचाए रखने के उपाए बताए तो पुलिस के जवान खुद को बचा पाएंगे तथा अपने संपर्क में आने वाली आम जनता को भी सही जानकारी दे सकेंगे। डॉ. डी. एम. सक्सेना ने बताया कि यह एक गंभीर समस्या है इसलिए इस पर नियंत्रण करने के लिए सभी विभागों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

पुलिस विभाग में नोडल अधिकारी मारिया कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समाज को एच.आई.वी./एड्स के वायरस से बचाने में पुलिस विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पंजाब, चंड़ीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में टेक्नीकल सपोर्ट यूनिट के टीम लीडर मनीष कुमार ने तकनीकी सत्र का प्रारंभ किया तथा एच.आई.वी./एड्स विषय पर विस्तृत जानकारी डॉ. ब्रजेन्द्र मिश्रा ने प्रदान की। कार्यशाला का संचालन संयुक्त संचालक श्रद्धा बोस ने किया। इस अवसर पर म.प्र. के सभी पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षक उपस्थित थे। इस दो दिवसीय कार्यशाला का समापन 28 फरवरी को किया जाएगा।